क्रांतिकार लेखक

डॉ ए माणिक्कवेल
पी जी पी कला व विज्ञानकालेज
अध्यक्ष हिन्दी विभाग नामक्कल
तमिलनाडु 637 207ण

विश्व में विभिन्न लेखकों का जीवन तो देख लिये हैं। पर सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय ने परिवार में सामाजिक पर लेखकों की दुनिया में और देश भक्ति व नाम गौरव कीर्ति बचाने हरेक नागरिक के दिल में वास्तविक परोपकार की भावनाएँ मनुष्यता भी उत्पन्न होने उनकी रचनाएँ एक उत्तेजक या प्रोत्साहित करके मार्कस्वाद तत्व के अनुसार सबको सभी मिलने का अवसर उदय होने के लिए यह लेंखक जहॉ तक हो सके प्रयास करते हुए आत्म जीवन भी अर्पित कर दिये हैं।

ऐसा लेखक अपना जीवन को ही श्रेष्ठ रास्ता व उतारत्त मनोभाव के साथ सहस पूर्व कार्य कर चुके है। जैसा कि इस दुनिया में पत्रकार राजनीतिज्ञक कविवर कहानिकार उपन्यासकार यात्राकार लोक कल्याण का निर्माणकार आदी लोगों को देखे होंगे। पर इतने लोगों की साधूर्यता कलात्मक शैली की भावनाएँ सब कुछ एक ही आदमी के पास रहते हैं तो वह जितनी अदभुत अपूर्व की बात मानी जा सकती हैं। वह आदमी ही अज्ञेय कहा जाता। उत्नी द्रडता पूर्व और

निर्भीक चिन्तनवाले माने जाते। आम जनता के कल्याण के लिए लडने से जेलवास मे भी रहते वहीं रहते हए 27 कहानियॉ लिखे हैं। किसी कथा साहित्य के वास्तविक अर्थ में आधुनिक बनाने का श्रेय अज्ञेयजी को दिया जा सकता है। मानव जीवन की कुछ विशिष्ट परिस्थितियों को उन्होंनगहरा अध्ययन अपने कथा साहित्य में प्रस्तुत किया है। जैसा कि अपना जीवन की घटनाऍ को देखा तो पता चलेगा कि उनके जीवन में विभिन्न वातावरण को पेश. करना पडे। पर सभी हालत में भी अपना जीवन के लक्ष्य को कभी अपनी कहानियॉ द्वारा शिल्प और भाषा में कुछ नये प्रयोग करके आम जनता को भी मनुष्यता की द्रष्टि से जीवन बिताने करवाते। हॉ हिन्दी कथा साहित्य उनका नाम आधुनिकता का परिचायक हैं। क्योंकि शिल्प विचार चित्रकार सिपाही विद्रोही सम्पादक आलोचक व्याख्याता कार्यकरता साहित्य इतिहास समीक्षक भी है तथा न जाने क्या क्या है ?

उनकी कहानियों में नम्बर दस विपथगा कैदी आदी उग्रवादियों जैसे होने पर भी देश के नागरिकों की रिहाई के लिए और बेचारे लोगों के कल्याण के नाम पर त्याग मनोभाव से आत्म जीवन अर्पित कर विभिन्न कष्ट नष्ट झेलकर साहस पूर्व कार्य करने में तथा जहॉ तक हो सके क्रांति कार्य व्यवहार करने में अपना स्थान निर्धारण कर दिया। अर्थात दूसरों जैसे न होकर मन लगकर परोपकार व दया भाव का व्यवहार पालन कर दिया। इसलिए उनका नाम अमरत्व बन गये। ‟ नम्बर दस‟ एक गिरपदार का नम्बर है। अज्ञेय के जीवन में घटित हुआ घटनओ

के आधार पर लिखा गया है। क्रांति के कार्यों से अपने लिए अलग स्थान निरूपन किया।

क्रांति का अर्थ होता है कि अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए किसी भी बाध ओं को असाधारण से करके असम्भव को सम्भव बनाने का कार्य माना जाता है। अज्ञेय धर्म कार्यों की पूर्ति के लिए यथा सम्भव हो सकें लगातार करते आते। न्याय सत्य से जिसको क्या मिलना है वही उध्देश्य की पूर्ति के लिए विपरीत दिशा बिना साधारण रास्ता पर घोषित कर रहे थे। अज्ञेय जी युव काल में ही रूस देश के " कारल मार्कस " " लेनिन " आदि नेताओं के जीवन चरित्र को पढकर उसी के अनुसार सब लोगों के वासविक कल्याण के लिए लडने लगे। पिर जेल वास भी में रहते थे। स्वतन्त्र आंदोलन में भाग लेनेवालों को उत्तेजक करने की तरह वीर रस और देश के नाम व गौरव बचाकर हमारा देश का नाम अन्तरास्ट्रीय स्तर पर कीर्ति पैलाने तथा नागरिकों के कल्याण के लिए अपना जीवन अर्पित किये हैं। इसलिए लगातार विश्व भर घूमकर सभी देशों की हालत जानकर जिसके अनुसार अपनी ख्याल को निबन्ध कविता कहानीयों में प्रकट करते आते। उनकी कहानियॉ पडकर पाठक का मन ललचाता है और उल्लास भरी चिंतन में भी डूब जाने की तरह कहानियॉ लिखे हैं। केवल क्रांतिकारी कहानियॉ बिना पारिवारीक समाजिक मूल्य की कहानियॉ साथ ही साथ " रियलिसम " नामक वास्तविक कहानियॉ अधिक लिखकर जीवन की हालत गरीबों अमीरों की हालत आदि के बारे में यथार्थता को चित्रित करके प्रस्तुत करने में क्रांति किये है।

‟ विवेक से बढकर‟ और ‟ विपथगा ‟ नामक दोनों कहानियॉ में आज के आतंकवाद के बारे में लिखी गयी हैं। इसलिए अज्ञेयजी की कहानियों में आधुनिकता की चुनौती को वैयक्तिक धरातल पर ही प्रयास है व्यक्ति सत्य के स्तर ही जीवन की जटिलता और उनके मूल्यों को व्यक्त करने का प्रयत्न है। अपने पात्रों द्वारा अज्ञेय जिन आंकांक्षाओं व्यक्त करते हैं वे औसत चिडियाकर आदर्श की संम्वेदना का ही प्रक्षेपण है। ।

यह निश्चय से कहा जा सकता है कि उनका कथा साहित्य प्रसाद और प्रेमचन्द तथा उनके अनुवर्ति अन्य कथाकारो के कथा सजग से श्रेष्ठतर स्थित में हैं। अज्ञेयजी की विशिष्ट देन सहज स्वीकार हैं। जीवन के प्रति बौध्दिक मनोवैज्ञानिक गुड कवितामय द्रष्टिकोण लेकर बहु विध सन्दर्भों के माध्यम से अनेक सूक्ष्म अभ्यन्तर चारित्रिक विशेषताओं का विष्लेषण करने में अज्ञेय अग्रणी है। अन्त में निश्चयात्मक स्तर में यह कहा जा सकता हे कि आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य में अज्ञेय का स्थान एक मौलिक प्रवर्तक और सर्वश्रेष्ठ कहानिकार के रूप में शीर्षस्थान पर अक्षुण्ण हैं।

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 〝 अज्ञेय 〝